D.B. College, Jaynagar.
Deptt of Political Science
B.A III, Pub - Administration

Dr. A.K. Yadav
Asstt Prof. G.P.T.T
Political science

Date - 07-11-2020

Lecture - No - 10

आदर्श नौकरशाही की आलोचनाएं -

मैक्स वेबर ने जिस आदर्श प्रकार की नौकरशाही की बात की है और उसकी अनिवार्यता पर जोर दिया है, उसकी कई आलोचनाएँ की गई है -

① यदि नौकरशाही के आदर्श रूप की समस्त विशेषताएं भी किसी संगठन में एक साथ अपना ली जाएं, तो भी वे अनिवार्यतः अधिकतम कार्यकुशलता उत्पन्न नहीं कर पाती, क्योंकि यथार्थ में संगठन की कार्यकुशलता का निर्धारण कुछ विशेष प्रकार की संगठनात्मक परिस्थिति में होता है। उदाहरण के लिए कार्यकर्ताओं का तकनीकी स्तर, संगठन के लक्ष्य तथा संगठन का सामाजिक वातावरण आदि।

② मैक्स वेबर ने नौकरशाही को पूर्ण रूप से औपचारिक स्वरूप प्रदान करके उसका अध्ययन किया है तथा समसामयिक घटनाओं को अप्रसंग मानकर छोड़ दिया है। जबकि वास्तविकता यह है कि औपचारिक कार्य एवं सम्बन्ध औपचारिक संगठन के ~~लिए~~ सुचारू कार्य संचालन के लिए उन्हें अति आवश्यक है।

③ वेबर द्वारा प्रस्तुत नौकरशाही का आदर्श रूप ही दुर्भाग्यपूर्ण माना जा सकता है, क्योंकि नौकरशाही में कुछ भी आदर्श नहीं होता है।

④ आलोचकों का कहना है कि मैक्स वेबर के द्वारा प्रस्तुत आदर्श नौकरशाही काल्पनिक है। इसे सर्वेक्षण जैसे वैज्ञानिक आधार प्राप्त नहीं है। इसके ~~आलोचकों~~ अलावा आलोचकों ने यह भी कहा है कि मैक्स वेबर ने अपने आदर्श नौकरशाही में मनोवैज्ञानिक व्यक्तित्व के अनौपचारिक सम्बन्ध तथा औपचारिक प्रभावों पर विशेष ध्यान नहीं दिया है, जिसे उसके सिद्धान्त की कमी ही कहा जाएगा।

इस प्रकार मैक्स वेबर का आदर्श नौकरशाही सम्बन्धी विचार की काफी आलोचना की गई है, लेकिन इसके बाद भी नौकरशाही सम्बन्धी सिद्धान्त के प्रतिपादक के रूप में वह अद्वितीय स्थान रखता है। तभी तो उसके कटु आलोचक सी० जे० फ्रेडरिक ने भी उसकी प्रतिभा को स्वीकार किया है और कहा है कि - " वेबर का प्रयास नई दिशा खोल सकता है। मैक्स वेबर की नौकरशाही सम्बन्धी धारणा को अनुसन्धान का एक प्रभावशाली साधन माना जा सकता है।"

Scanned with CamScanner